

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)



पाठ्यक्रम

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

2018-19

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN JYOTIRVIGYAN
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-I [M.A. JYOTIRVIGYAN]
CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JCC-01	ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-02	चिकित्सा ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-03	संस्कृत	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-01	(i) फलित ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC - 01	(ii) संहिता ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC - 01	(iii) वास्तुविद्या	5	5 Hrs.	60	40	100
	EDC - 001	Entrepreneurship Development	4	4 Hrs.	32	48	80
	P - 01	Seminar (Practical)	2	2 Hrs.			40
	JVV - 01	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (JCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

नोट - १. विषय समूह JCC - 01, JCC - 02, JCC - 03 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह JEC - 01 (i), JEC - 01 (ii), JEC - 01 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

CORE ELECTIVE COURSE (JEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (JVJ)

राजेन्द्र शर्मा
31/10/18

[Signature]
31.10.18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 01


प्रश्नपत्र का शीर्षक – ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास

कुल अङ्क 60

- इकाई – 1 ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय
(आर्ष ज्योतिष परिचय)
भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
(भारतीय ज्योतिष का स्वरूप, विकास एवं काल वर्गीकरण)
- इकाई – 2 ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय
(पञ्चाङ्ग परिचय)
गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय
(ज्योतिर्वैज्ञानिक परिभाषाएँ)
- इकाई – 3 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
(भचक्र एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र स्वरूप तथा सञ्ज्ञाएँ)
- इकाई – 4 कालमान तथा परिवर्तन / अक्षांश देशान्तर
(इष्टकाल साधन, अयनांश साधन, पलभा साधन)
Table of Ascendants : N.C.Lahiri
(नक्षत्र काल (Sidereal time) साधन)
- इकाई – 5 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
(चरसाधन एवं सूर्योदय-सूर्यास्त - आर्ष पद्धति)
Table of Ascendants : N.C.Lahiri
(चरसाधन एवं सूर्योदय-सूर्यास्त - अर्वाचीन पद्धति)
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
2. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. Table of Ascendants : N.K.Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
5. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

6. Lahiri's India Ephemeris of Planets position According to 'Nirayan' of sidereal system for current year - N.C. Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
7. मैनुइल ऑफ एस्ट्रोलॉजी - सम्बद्ध अंश - बी. वी. रमन, पब्लिकेशंस, बेंगलोर
8. भारतीय कुण्डली विज्ञान - मीठालाल ओझा, वाराणसी
9. गोल परिभाषा - पण्डित सीताराम झा, पण्डित सीताराम पुस्तकालय, चौगभा, बहेरा, दरभंगा

विश्वनाथ
31-10-2018

राज
31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN


सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 02
प्रश्नपत्र का शीर्षक - चिकित्सा ज्योतिष


कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 रोग एवं चिकित्सा विषयक ज्योतिषीय अवधारणा
ग्रह, नक्षत्र, भाव एवं राशि
- इकाई - 2 वीरसिंहावलोक - राजा वीरसिंह तोमर
ज्वराधिकार, अर्शरोगाधिकार, कृमिरोगाधिकार, अपस्माररोगाधिकार,
उदररोगाधिकार, वातरोगाधिकार, अम्लपित्तरोगाधिकार, मुखरोगाधिकार,
कर्णरोगाधिकार, नासारोगाधिकार एवं निदान ।
- इकाई - 3 वीरसिंहावलोक - राजा वीरसिंह तोमर
हृदयरोगाधिकार, अश्मरीरोगाधिकार, प्रमेहरोगाधिकार, भगन्दररोगाधिकार,
कुष्ठरोगाधिकार, उपदंशशूकरोगाधिकार, व्रणरोगाधिकार, नेत्ररोगाधिकार,
शिरोरोगाधिकार, बालरोगाधिकार एवं निदान।
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - अध्याय - 12 एवं 13
(प्रश्नकुण्डी के आधार पर रोग एवं निदान)
- इकाई - 5 प्रायोगिक
(जातक की कुण्डली में रोगनिर्देश)
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. वीरसिंहावलोक - चौखम्भा कृष्णदास अकादमी - वाराणसी
2. प्रश्नमार्ग - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन - वाराणसी
3. सारावली - मोतीलाल बनारसीदास - वाराणसी
4. जातकपारिजात - चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी
5. योगचिन्तामणि - चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 03
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 हितोपदेश - नारायण पण्डित
(केवल मित्रलाभ)
(प्रारम्भ से मित्रलाभ-प्रस्ताव पर्यन्त)
- इकाई - 2 हितोपदेश - नारायण पण्डित
(केवल मित्रलाभ)
(काककूर्ममृगारवुकथा से समाप्ति पर्यन्त)
- इकाई - 3 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
(अध्याय 1 से 10 तक)
- इकाई - 4 शब्दरूप - शब्दधातुचन्द्रिका
शब्दरूप - राम, हरि, भूभृत्, भानु, आत्मन्, रमा, रुचि, नदी, धेनु, ज्ञान, पयस्,
मधु, अस्मद्, युष्मद्, तत् तथा चन्द्रमस्
- इकाई - 5 धातुरूप - शब्दधातुचन्द्रिका
धातुरूप - भू, गम्, पा, रक्ष, अद्, दा, प्रच्छ्, कृ, ज्ञा, चूर् तथा ब्रू
(लट्, लृट्, लोट् तथा लिङ्)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. हितोपदेश - नारायण पण्डित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. शब्दधातुचन्द्रिका- सम्पादक- डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

राजेश्वर शास्त्री
31-10-2018

राजेश्वर शास्त्री
31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 01 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - फलित ज्योतिष

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 जातकपारिजात - वैद्यनाथ
अध्याय 1 - राशिशीलाध्याय
अध्याय 2 - ग्रहनामस्वरूपगुणभेदाध्याय
- इकाई - 2 जातकपारिजात - वैद्यनाथ
अध्याय 6 - जातकभङ्गाध्याय
अध्याय 7 - राजयोगाध्याय

इकाई - 3 लघुपाराशरी - पराशर
श्लोक 1 से 20

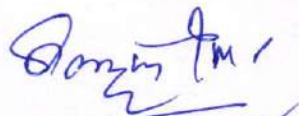
इकाई - 4 लघुपाराशरी - पराशर
श्लोक 21 से अन्त तक

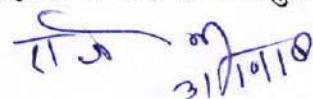
इकाई - 5 योगचिन्तामणि - वामन
सम्पूर्ण ग्रन्थ

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. जातकपारिजात - वैद्यनाथ, टीकाकार- पण्डित कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. जातकपारिजात (प्रथम एवं द्वितीय भाग) - वैद्यनाथ, टीकाकार- गोपेशकुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. लघुपाराशरी- पराशर, टीकाकार- डॉ. उमेशपुरी ज्ञानेश्वर, रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार
4. लघुपाराशरी- पराशर, टीकाकार- श्री वासुदेव गुप्त, सावित्री ठाकुर, प्रकाशन, रथयात्रा चौराहा, वाराणसी
5. लघुपाराशरी- पराशर, भाष्यकार - दीवान रामचन्द्र कपूर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. योगचिन्तामणि एवं व्यवहारज्योतिष - डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ. शुभम् शर्मा


31-10-2018


31/10/18

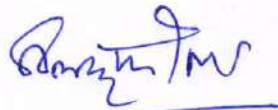
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 01 (ii)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 नारदसंहिता अध्याय 1 - 11
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 नारदसंहिता अध्याय 12 - 22
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 नारदसंहिता अध्याय 23 - 33
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 नारदसंहिता अध्याय 34 - 44
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 नारदसंहिता अध्याय 45 - 55
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. महर्षिनारदविरचित - नारद संहिता, खेमराज श्रीकृष्णदास मुम्बई (महाराष्ट्र)


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

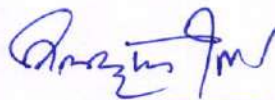
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 01 (iii)
प्रश्नपत्र का शीर्षक – वास्तुविद्या


कुल अङ्क 60

- इकाई – 1 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 1 - 50
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई – 2 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 51 - 100
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई – 3 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 101 - 150
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई – 4 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 151 - 200
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई – 5 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 201 - 231
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या, सम्पादक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय,
त्रिस्कन्ध ज्योतिषम्, वाराणसी (उ.प्र.)
2. वास्तुतन्त्र - भरत तिवारी, कामेश्वर प्रकाशन, बीकानेर


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)



पाठ्यक्रम

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

2018-19

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

**SCHOOL OF STUDIES IN JYOTIRVIGYAN
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-II [M.A. JYOTIRVIGYAN]
CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JCC-04	ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-05	संहिता ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-06	तन्त्र और ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-02	(i) संस्कृत	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-02	(ii) संहिता ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-02	(iii) प्रश्न ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	EDC - 002	Communication Skills	4	4 Hrs.	32	48	80
	P - 02	Group Diss. (Practical)	2	2 Hrs.			40
	JVV - 02	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (JCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

नोट - १. विषय समूह JCC - 02, JCC - 03, JCC - 04 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह JEC - 02 (i), JEC - 02 (ii), JEC - 02 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

CORE ELECTIVE COURSE (JEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (JVV)

राजेन्द्र
31/10/18

31.10.18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 04


प्रश्नपत्र का शीर्षक – ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास

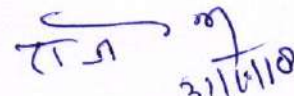
कुल अङ्क 60

- इकाई – 1 भारतीय ज्योतिष : नेमिचन्द्र शास्त्री
ज्योतिषशास्त्र प्रवर्तकों का परिचय एवं कृतियाँ
- इकाई – 2 Table of Ascendants : N. C. Lahiri
लग्न एवं दशमलग्न आनयन (अर्वाचीन पद्धति)
भारतीय ज्योतिष : नेमिचन्द्र शास्त्री
लग्न एवं दशमलग्न आनयन (आर्षा पद्धति)
- इकाई – 3 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
ग्रह स्पष्टीकरण एवं भयात-भभोग साधन (आर्षा पद्धति)
- इकाई – 4 बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् : महर्षि पाराशर
चलित चक्रसाधन एवं दशवर्ग साधन
- इकाई – 5 बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् : महर्षि पाराशर
विंशोत्तरी महादशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा साधन
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ –

1. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
4. Table of Ascendants : M.K.Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
5. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
6. Lahiri's India Ephemeris of Planets position According to 'Nirayan' of sidereal system for current year - N.C. Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
7. मैन्युअल ऑफ एस्ट्रोलॉजी - सम्बद्ध अंश - बी. वी. रमन, रमन पब्लिकेशंस, बेंगलूर
8. भारतीय कुण्डली विज्ञान - मीठालाल ओझा, वाराणसी
9. गोलपरिभाषा - पण्डित सीताराम झा, पण्डित सीताराम पुस्तकालय, चौगभा, बहेरा, दरभंगा



31-10-2018

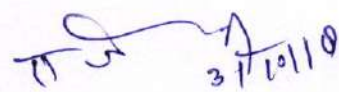

31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 05
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 1 - उपनयनाध्याय
अध्याय 2 - सांवत्सरसूत्राध्याय
अध्याय 3 - आदित्यचाराध्याय
अध्याय 4 - चन्द्रचाराध्याय
अध्याय 5 - राहुचाराध्याय
अध्याय 6 - भौमचाराध्याय
अध्याय 7 - बुधचाराध्याय
- इकाई - 2 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 8 - बृहस्पतिचाराध्याय
अध्याय 9 - शुक्रचाराध्याय
अध्याय 10 - शनैश्चरचाराध्याय
अध्याय 11 - केतुचाराध्याय
अध्याय 12 - अगस्त्यचाराध्याय
अध्याय 13 - सप्तर्षिचाराध्याय
अध्याय 14 - कूर्मविभागाध्याय
अध्याय 15 - नक्षत्रव्यूहाध्याय
- इकाई - 3 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 16 - ग्रहभक्तियोगाध्याय
अध्याय 17 - ग्रहयुद्धाध्याय
अध्याय 18 - शशिग्रहसमागमाध्याय
अध्याय 19 - ग्रहवर्षफलाध्याय
अध्याय 20 - ग्रहशुद्धाटकाध्याय


31-10-2018


31/10/18


इकाई - 4 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 21 - गर्भलक्षणाध्याय
अध्याय 22 - गर्भधारणाध्याय
अध्याय 23 - प्रवर्षणाध्याय
अध्याय 24 - रोहिणीयोगाध्याय
अध्याय 25 - स्वातीयोगाध्याय
अध्याय 26 - आषाढीयोगाध्याय
अध्याय 27 - वातचक्राध्याय


इकाई - 5 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 28 - सद्योवर्षणाध्याय
अध्याय 29 - कुसुमलताध्याय
अध्याय 30 - सन्ध्यालक्षणाध्याय
अध्याय 31 - दिग्दाहलक्षणाध्याय
अध्याय 32 - भूकम्पलक्षणाध्याय
अध्याय 33 - उल्कालक्षणाध्याय
अध्याय 103 - विवाहपटलाध्याय
अध्याय 104 - ग्रहगोचराध्याय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - टीकाकार - श्री अच्युतानन्द झा, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
2. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - व्याख्याकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. बृहत्संहिता भाग - 2, टीकाराम - सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN


सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 06
प्रश्नपत्र का शीर्षक - तन्त्र और ज्योतिष

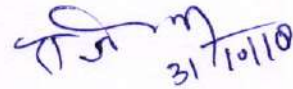
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 तन्त्र का आविर्भाव और विकास
तन्त्र में वैश्विक सिद्धान्त
मन्त्र एवं मातृकाओं का स्वरूप
दीक्षा और अभिषेक
तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र और आधुनिकविज्ञान
जैन और बौद्ध मत तथा तान्त्रिक साधना का उद्देश्य
- इकाई - 2 नकुलीश - पाशुपतदर्शन
- इकाई - 3 शैवदर्शन
- इकाई - 4 षड्गर्भ; कालनिर्णय; तिथिनिर्णय; वारनिर्णय; माहेन्द्रादिनिर्णय; नक्षत्रनिर्णय
- इकाई - 5 यन्त्र - सूर्ययन्त्र; गर्भस्तम्भनयन्त्र; सर्वार्थसिद्धिदायकयन्त्र; सर्वरोगहरयन्त्र;
मानसिकरोगनिवारणयन्त्र; अर्शशमनयन्त्र; मूढतानिवारणयन्त्र; आकर्षणयन्त्र
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशसित-ग्रन्थ -

1. कामरत्नम् - नित्यनाथ - लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मुम्बई
2. मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य - शिवशङ्कर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. तन्त्र सिद्धान्त और साधना - देवदत्त शास्त्री, स्मृतिप्रकाशन, इलाहाबाद
4. मन्त्रमहोदधि: - महीधर - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
5. सर्वदर्शनसङ्ग्रह - व्या. डॉ. उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

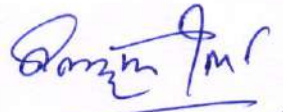
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-02 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

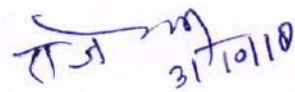
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि
प्रारम्भ से 25 श्लोक (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 2 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि
श्लोक 26 से 50 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 3 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि
श्लोक 51 से 75 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 4 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि
श्लोक 76 से अन्त तक (हिन्दी व्याख्या)
ग्रन्थ एवं लेखक विषयक आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 शब्दरूप एवं धातुरूप
शब्दरूप - नदी, धेनु, वारि, नामन, गच्छत, भगवत, मधु, एक, द्वि, त्रि, चतुर्।
धातुरूप - रूद्र, स्वप्, हन, इ, ब्रू, दुह्, भी, दा, धा, मुच, भुज,
(उपर्युक्त धातुओं के विधिलिङ्, लङ्, लुङ् एवं लोटलकार में रूप)
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. नीतिशतकम् (संस्कृत - हिन्दी व्याख्या) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शब्दधातुचन्द्रिका - चौखम्बा संस्कृत संस्थान - वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

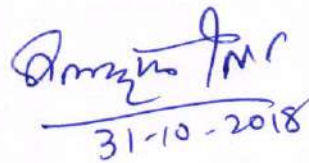
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-02 (ii)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 वशिष्ठसंहिता अध्याय 1 - 10
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 वशिष्ठसंहिता अध्याय 11 - 16
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 वशिष्ठसंहिता अध्याय 17 - 23
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 वशिष्ठसंहिता अध्याय 24 - 32
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 वशिष्ठसंहिता अध्याय 33 - 46
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. आचार्यवृद्धवशिष्ठविरचितवशिष्ठसंहिता - व्याख्याकार गिरिजाशङ्कर शास्त्री,
ज्योतिष, कर्मकाण्ड एवम् अध्यात्मशोधसंस्थान, प्रयाग (उ.प्र.)


31-10-2018


31/10/18

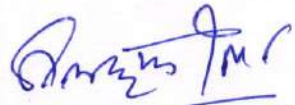
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-02 (iii)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - प्रश्नज्योतिष


कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - प्रथमाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - द्वितीयाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - तृतीयाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - चतुर्थाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - षष्ठाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)



पाठ्यक्रम

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

2018-19

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

**SCHOOL OF STUDIES IN JYOTIRVIGYAN
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-III [M.A. JYOTIRVIGYAN]
CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JCC-07	उच्चतर ज्योतिर्गणित	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-08	फलित ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-09	संस्कृत	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-03	(i) भारतीय ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-03	(ii) संहिता ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-03	(iii) प्रश्न ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JGEC-01	(i) भाव ज्योतिष	4	4 Hrs.	32	48	80
	JGEC-01	(ii) MOOCs (SWAYAM)	4	4 Hrs.	32	48	80
	EDC - 003	Personality Development	2	2 Hrs.	24	16	40
	P-03	Review Writing (Practical)	2	2 Hrs.			40
	JVV-03	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (JCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

CORE ELECTIVE COURSE (JEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (JVV)

नोट - 1. विषय समूह JCC - 07, JCC - 08, JCC - 09 लेना अनिवार्य है। 2. विषय समूह JEC - 03 (i), JEC - 03 (ii), JEC - 03 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. JGEC-01 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।

राजेश क. श्री 31/10/18
31.10.18


विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 07
प्रश्नपत्र का शीर्षक - उच्चतर ज्योतिर्गणित

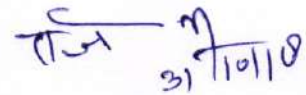
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 पञ्चसिद्धान्तिका - आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 15 - ज्योतिषोपनिषद् (सम्पूर्ण)
अध्याय 9 - सूर्यचन्द्र मध्यमान
(श्लोक सङ्ख्या 1 एवं 2)
अध्याय 16 - ग्रह मध्यमान (सम्पूर्ण)
- इकाई - 2 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 24 तक)
- इकाई - 3 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 25 से 47 तक)
- इकाई - 4 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 48 से अन्त तक)
- इकाई - 5 वेदाङ्गज्योतिष - लगध
(आर्ष ज्योतिष)
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 10 तक)
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100


अनुशंसित-ग्रन्थ -

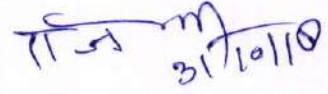
1. पञ्चसिद्धान्तिका - टीकाकार म.म. सुधाकर द्विवेदी तथा सी थिवोट चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी
2. पञ्चसिद्धान्तिका - टी. एस. कुप्पनशास्त्री तथा बी.के. शर्मा, पी.सी.एस.टी. फाउण्डेशन, अड्यार, मद्रास


31-10-2018


31/10/18

3. सूर्यसिद्धान्त - अनुवाद आर.ई. वर्गज, इण्डोलॉजिकल बुक हाउस वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - श्री कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - पं. माधवप्रसाद पुरोहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - बलदेवप्रसाद मिश्र, खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई
7. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. वेदाङ्ग ज्योतिष- टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, 96, जानकी नगर, बजरडिया, वाराणसी।
10. गोल-परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
11. गोल-परिभाषा - पं. सीताराम झा, पं. सीताराम पुस्तकालय, चोगभा बहेरा, दरभंगा।


31-10-2018


31/10/18


विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 08
प्रश्नपत्र का शीर्षक - फलित ज्योतिष

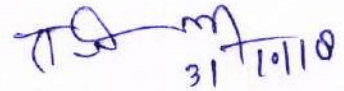
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 जातकपारिजात - वैद्यनाथ
अध्याय 10 - अष्टकवर्गाध्याय (सम्पूर्ण)
- इकाई - 2 जातकपारिजात - वैद्यनाथ
ग्रहभावफलाध्याय, अध्याय 11 से 13 तक
- इकाई - 3 जातकपारिजात - वैद्यनाथ
ग्रहभावफलाध्याय, अध्याय 14 से 15 तक
- इकाई - 4 सारावली - कल्याण वर्मा
अध्याय 39 से आयुर्दायाध्याय
अध्याय 10, 11, 12 अरिष्टाध्याय
- इकाई - 5 सारावली - कल्याण वर्मा
अध्याय 40 दशाध्याय
अध्याय 41 अन्तर्दशाध्याय
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. जातकपारिजात - वैद्यनाथ, टीकाकार पण्डित कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. जातकपारिजात - वैद्यनाथ व्याख्याकार - गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सारावली - कल्याण वर्मा, टीकाकार - डॉ. मुरलीधर चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली


31-10-2018


31/10/18

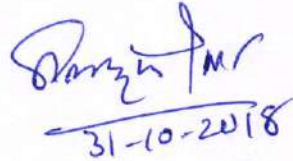
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 09
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

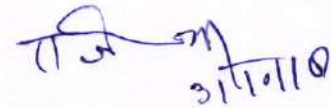
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि
प्रारम्भ से 35 श्लोक (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 2 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि
श्लोक - 36 - 70 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 3 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि
श्लोक - 71 से अन्त तक (हिन्दी व्याख्या)
ग्रन्थ एवं लेखक विषयक आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
अध्याय 11 - 15 तक
- इकाई - 5 शब्दरूप एवं धातुरूप
शब्द - दिश, क्षुध, गृह, वारि, गौ, गच्छत, अहन, सर्व, किम्, एतद्, इदम्
धातु - भी, शी, हु, युध, जन, मृ, स्पृश, भुज, मुच, तन् (लिट्, लुट्, लङ्, लृट्)
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

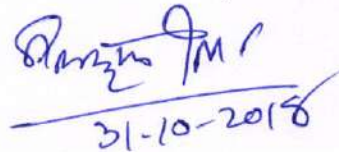
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-03 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक – भारतीय ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता, प्रयोजन तथा पञ्चाङ्गपरिचय
आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 गर्गसंहिता सम्पूर्ण
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 विश्वकर्माप्रकाश
अध्याय 1 - 5
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 विश्वकर्माप्रकाश
अध्याय 6 - 10
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 विश्वकर्माप्रकाश
अध्याय 11 - 13
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. ज्योतिष शास्त्र - लेखक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिषम् प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. विश्वकर्माप्रकाश - ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-03 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिताज्योतिष

कुल अङ्क 60

इकाई - 1 लोमशसंहिता अध्याय 1 - 3
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 लोमशसंहिता अध्याय 4 - 6
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 लोमशसंहिता अध्याय 7 - 8
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

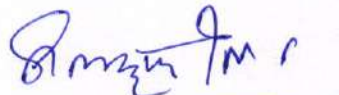
इकाई - 4 लोमशसंहिता अध्याय 9 - 10
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

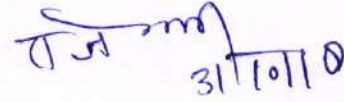
इकाई - 5 लोमशसंहिता अध्याय 11 - 12
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. आचार्यलोमेशविरचित लोमशसंहिता - टीकाकार - गिरिजाशङ्करशास्त्री,
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC-03 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक - प्रश्नज्योतिष


कुल अङ्क 60

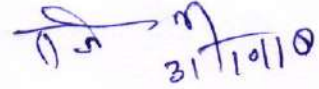
- इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - सप्तमाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - अष्टमाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - द्वादशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - त्रयोदशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - चतुर्दशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी


31-10-2018


31/10/18

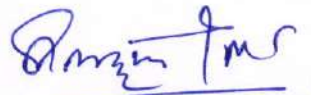
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JGEC-01 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक – भावज्योतिष

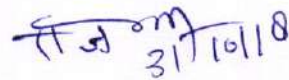
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 11
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 12
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 13
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 14
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 15
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. रामानुजाचार्यविरचित भावार्थरत्नाकर, रञ्जन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)



पाठ्यक्रम

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

2018-19

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

**SCHOOL OF STUDIES IN JYOTIRVIGYAN
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-IV [M.A. JYOTIRVIGYAN]**

CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JCC-10	उच्चतर ज्योतिर्गणित	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-11	फलित ज्योतिष के इतर आयाम	5	5 Hrs.	60	40	100
	JCC-12	मुहूर्तशास्त्र	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-04	(i) संस्कृत वाङ्मय का इतिहास	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-04	(ii) प्रश्न ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JEC-04	(iii) संहिता ज्योतिष	5	5 Hrs.	60	40	100
	JGEC-02	(i) गुण-लक्षण ज्योतिष	4	4 Hrs.	32	48	80
	JGEC-02	(ii) MOOCs (SWAYAM)	4	4 Hrs.	32	48	80
	EDC - 004	Tourism Management	2	2 Hrs.	24	16	40
	P-04	Institutional Visit (Practical)	2	2 Hrs.			40
	JVV-04	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (JCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

CORE ELECTIVE COURSE (JEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (JVV)

नोट - १. विषय समूह JCC - 10, JCC - 11, JCC - 12 लेना अनिवार्य है। २. विषय समूह JEC - 04 (i), JEC - 04 (ii), JEC - 04 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. JGEC-02 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।

राजेन्द्र राव
31/10/18

राजेन्द्र राव
31.10.18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 10
प्रश्नपत्र का शीर्षक - उच्चतर ज्योतिर्गणित

कुल अङ्क 60

इकाई - 1 पञ्चसिद्धान्तिका - आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 17 - ताराग्रह स्फुटीकरण (सम्पूर्ण)

इकाई - 2 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 15 तक)

इकाई - 3 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 16 से 30 तक)

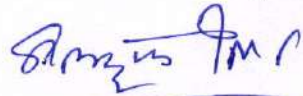
इकाई - 4 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 31 से 45 तक)

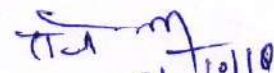
इकाई - 5 सूर्यसिद्धान्त - नवीन
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार
(श्लोक सङ्ख्या 46 से अन्त तक)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. पञ्चसिद्धान्तिका - टीकाकार म.म. सुधाकर द्विवेदी तथा सी थिबोट चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी
2. पञ्चसिद्धान्तिका - टी. एस. कुप्पनशास्त्री तथा बी.के. शर्मा, पी.सी.एस.टी. फाउण्डेशन, अड्यार, मद्रास
3. सूर्यसिद्धान्त - अनुवाद आर.ई. वर्गज, इण्डोलॉजिकल बुक हाउस वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - श्री कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - पं. माधवप्रसाद पुरोहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

6. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - बलदेवप्रसाद मिश्र, खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई
7. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. वेदाङ्ग ज्योतिष- टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, 96, जानकी नगर, बजरडिया, वाराणसी।
10. गोल-परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
11. गोल-परिभाषा - पं. सीताराम झा, पं. सीताराम पुस्तकालय, चोगभा बहेरा, दरभंगा।


Sanjay M
31-10-2018

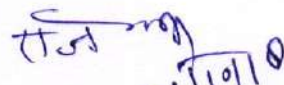
राजे राम
31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 11
प्रश्नपत्र का शीर्षक - फलित ज्योतिष के इतर आयाम

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयश
अध्याय 3 - छोड़कर सम्पूर्ण ग्रन्थ
- इकाई - 2 सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् (पं. कालिकाप्रसाद शर्मा) एवं
बृहत् अङ्क ज्योतिर्विज्ञान (राजेश दीक्षित)
1. प्रमुख एवं गौण रेखाओं का सचित्र फलादेश
 2. हस्तरेखाओं द्वारा विभिन्न योगों का ज्ञान तथा काल निर्धारण
 3. मूलाङ्क और उनका प्रभाव
 4. विभिन्न संख्याओं का विशिष्ट प्रभाव
 5. नामाङ्कों के द्वारा चरित्रपरीक्षा
 6. अङ्कों द्वारा चरित्र परीक्षा
 7. शरीर सञ्चालन की क्रियाओं पर अङ्कों का प्रभाव
 8. अङ्कों के अनुसार विवाह और मैत्री सम्बन्ध
 9. अङ्कों के अनुकूल व्यवसाय का चुनाव
 10. अङ्कों के अनुकूल रङ्ग, रत्न एवं कालखण्ड का चुनाव
 11. अङ्कों के अनुकूल दिशाओं, नगरों एवं राष्ट्रों का चुनाव
 12. अङ्कों के अनुकूल यन्त्र
- इकाई - 3 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 80 - रत्नपरीक्षाध्याय
अध्याय 81 - मुक्तालक्षणाध्याय
अध्याय 82 - पद्मरागलक्षणाध्याय
अध्याय 83 - मरकतलक्षणाध्याय


31-10-2018


31/10/18

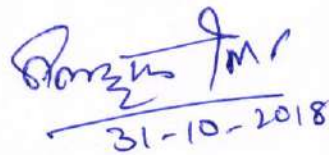
इकाई - 4 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 86 - शाकुनाध्याय
अध्याय 87 - अन्तरचक्राध्याय
अध्याय 88 - विरुताध्याय
अध्याय 89 - श्वचक्राध्याय
अध्याय 90 - शिवारुताध्याय

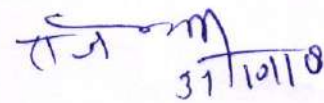
इकाई - 5 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर
अध्याय 91 - मृगचेष्टिताध्याय
अध्याय 92 - गवेङ्गिताध्याय
अध्याय 93 - अश्वेङ्गिताध्याय
अध्याय 94 - हस्तिचेष्टिताध्याय
अध्याय 95 - वायसविरुताध्याय
अध्याय 96 - शाकुनोत्तराध्याय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयश, टीका - आचार्य गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी
2. सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् - पं. कालिकाप्रसाद शर्मा, ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स बुक सेलर, राजा दरवाजा कचौड़ी गली, वाराणसी
3. सामुद्रिकशास्त्र - बसन्तलाल व्यास, राया, मथुरा
4. बृहद् हस्तरेखाशास्त्र - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, पुस्तक महल, नई दिल्ली
5. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, टीकाकार - पं. अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
6. बृहद् अङ्कज्योतिर्विज्ञान - राजेश हिन्दी पुस्तक भण्डार, खारी बांवली, नई दिल्ली
7. अङ्क ज्योतिष - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, अनुपम पॉकेट बुक्स, कमला नगर, दिल्ली
8. You & Your star Chiro, New Light Publishers, New Delhi.


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JCC - 12
प्रश्नपत्र का शीर्षक - मुहूर्तशास्त्र


कुल अङ्क 60

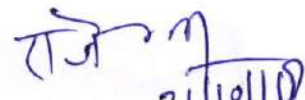
- इकाई - 1 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य
अध्याय 1 - शुभाशुभप्रकरणम्
इकाई - 2 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य
अध्याय 2 - नक्षत्रप्रकरणम्
इकाई - 3 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य
अध्याय 4 - गोचरप्रकरणम्
इकाई - 4 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य
अध्याय 5 - संस्कारप्रकरणम्
इकाई - 5 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य
अध्याय 6 - विवाहप्रकरणम्

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - केदारदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, प्रकाशन, दिल्ली
2. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - गौरीनाथ पाठक, ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक सेलर, वाराणसी
4. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - पं. कौशल किशोर त्रिपाठी, श्री दुर्गा पुस्तक भण्डार प्रा. लि. इलाहाबाद
5. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - डॉ. रामचन्द्र पाण्डेय कृष्णदास अकादमी, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 04 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत वाङ्मय का इतिहास

कुल अङ्क 60

इकाई - 1 वैदिक साहित्य का परिचय

इकाई - 2 रामायण एवं महाभारत परिचय

इकाई - 3 प्रमुख महाकाव्यों का परिचय

(रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, किरातार्जुनीयम्)

इकाई - 4 दर्शन साहित्य का परिचय

(प्रमुख आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन - चार्वाक, बौद्ध, वेदान्त, सांख्य, न्याय)

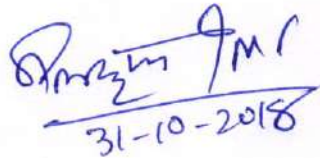
इकाई - 5 पुराण साहित्य का परिचय

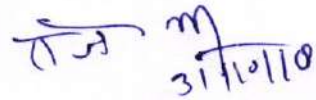
अष्टादश महापुराणों का परिचय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. वैदिक साहित्य का इतिहास - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. उमाशंकर शर्मा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. दर्शनशास्त्र का इतिहास - सङ्गमलाल पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
4. पुराण विमर्श - पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN

सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 04 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – प्रश्न ज्योतिष


कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - सप्तदशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - अष्टदशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - एकोनविंशाध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - विंशोऽध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - एकविंशोऽध्याय
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी


31-10-2018


31/10/18

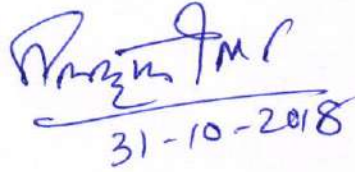
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JEC - 04 (iii)
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 बृहत्संहिता अध्याय 34 - 37
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 बृहत्संहिता अध्याय 38 - 41
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 बृहत्संहिता अध्याय 42 - 45
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 बृहत्संहिता अध्याय 46 - 49
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 बृहत्संहिता अध्याय 50 - 52
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18

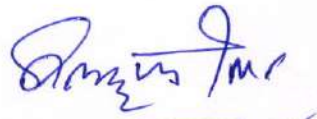
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान
CBCS PATTERN
सत्र - 2018-19 प्रश्नपत्र - JGEC - 02 (i)
प्रश्नपत्र का शीर्षक – गुण लक्षण ज्योतिष

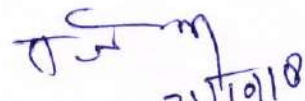
कुल अङ्क 60

- इकाई - 1 बृहत्संहिता - पुरुषलक्षणाध्याय (67)
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 बृहत्संहिता - पञ्चमहापुरुषलक्षणाध्याय (68)
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 बृहत्संहिता - स्त्रीलक्षणाध्याय (69)
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 बृहत्संहिता - स्त्रीप्रशंसाध्याय (73)
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 बृहत्संहिता - पुरुषस्त्रीसमायोगाध्याय (77)
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी


31-10-2018


31/10/18